सुजानगंज के विभिन्न हनुमान मन्दिरों पर मना हनुमान जन्मोत्सव

तेजस टूडे ब्यूरो, तरूण चौबे

सुजानगंज, जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के अरूणपुर स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से श्रद्धा के साथ हनुमत जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर भव्य कलश यात्रा गौरी शंकर धाम से निकाली गई जो श्री दक्षिण मुखी महावीर हनुमत धाम अरुणपुर शुक्लान बालवरगंज सुजानगंज पर आकर समाप्त हुई। अपराह्न में महाअभिषेक, चोला श्रृंगारदर्शन, सुन्दर काण्ड, हवन, महाआरती, महाप्रसाद का कार्यक्रम हुआ। बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किये। हनुमान जी के जयकारे से नभ मंडल गुंजायमान होता रहा। इसी प्रकार सबेली स्थित दक्षिण मुखी बड़े हनुमान मंदिर, श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर कौलीपुर एवं संकट मोचन हनुमान मंदिर नरहरपुर पर भक्तगणों द्वारा हनुमत जन्मोत्सव का कार्यक्रम मनाया गया। सुंदर कांड एवं रामायण के पाठ के साथ प्रसाद वितरण किया गया।

भक्तों ने श्रद्धा से मनायी हनुमान जयन्ती

तेजस टूडे ब्यूरो, देवी प्रसाद शर्मा

आजमगढ़। जनपद के रेडहा इच्छापूर्ति बालाजी हनुमान मंदिर पर मंगलवार को हनुमान जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भजन कीर्तन हवन पूजन के साथ प्रसाद वितरण का कार्यक्रम और गरीब बच्चों में मोदी परिवार द्वारा शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए पानी का बोतल, बैग, पेंसिल, कलम, कॉपी, किताब और प्रसाद का पैकेट लगभग 300 बच्चों को वितरित किया गया। दूर-दूर से आए भक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। पूरे क्षेत्र में इस तरह का कार्यक्रम किसी भी हनुमान मंदिर पर नहीं होता है और यह परंपरा परसों से चली आ रही है। मोदी परिवार की तरफ से जिसमें मुख्य रूप से इसके संस्थापक रहे फतेहचंद मोदी और उन्हीं के वंशज संजय मोदी, अमित मोदी, पवन मोदी, गितू मोदी, गीता मोदी, अशोक सोनी, दीपा, गोलू, निर्मला, श्रुति मोदी, कमल मोदी, कोई दिल्ली से, कोई कोलकाता से, कोई मद्रास से, कोई बनारस से चलकर दो दिन पहले ही इस हनुमान जयंती पर भगवान की सेवा में लग जाते हैं और उनकी भक्ति में भब्व कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। कार्यक्रम में दूर दराज से कई गांव के लोग शामिल होते हैं। एक उत्सव जैसा माहौल रहता है। इस अवसर पर रामजन्म गुप्ता, अंबिका गुप्ता, अमन अग्रहरि, नीरज चौरसिया, शकील अहमद, सुहेल अहमद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम से शिब्ली नेशनल कालेज गदगद

तेजस टूडे ब्यूरो, देवी प्रसाद शर्मा

आजमगढ़। शिब्ली नेशनल इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में हाईस्कूल का परीक्षाफल 87.5 प्रतिशत 415 छात्र उत्तीर्ण हुए। इसी तरह इण्टरमीडिएंट में 80 प्रतिशत से अधिक 49 छात्र, प्रथम श्रेणी 266 छात्र तथा द्वितीय श्रेणी 290 छात्रों ने प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। उक्त घोषित परिणाम में हाईस्कूल के छात्र मोहम्मद अब्दुल्लाह पुत्र सलाउद्दीन ने 96.00% प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में 6वां स्थान प्राप्त किया। वहीं इण्टरमीडिएट परीक्षा में आदित्य सिंह पुत्र रंजीत सिंह ने 87.8% प्रतिशत अंक प्राप्त किया। इस आशय की जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य जैद नुरुल्लाह ने दी है।

चाकू-लाठी से की गयी हत्या के मामले में तीन भाई गिरफ्तार

तेजस टूडे ब्यूरो, देवी प्रसाद शर्मा

आजमगढ़। जनपद के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के नत्थूपुर में बीते रविवार की रात में विवाद के बाद हुई मारपीट व चाकूबाजी में एक की मौत व दो के गंभीर रूप से घायल होने के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि एक नाबालिग को संरक्षण में लिया गया है। चारों लोग सगे भाई हैं। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने सोमवार को दिन में पुलिस लाइन सभागार में खुलासा कर गिरफ्तार 3 आरोपियों को मीडिया के समक्ष पेश किया। इसके पहले एसपी ग्रामीण ने आरोपियों से घटनाक्रम के बारे में पूछताछ की। एसपी ग्रामीण ने बताया कि वादी कयामुद्दीन की तहरीर पर धारा 302 व 307 आईपीसी में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की गई है। च्विंगम के कपड़े में चिपकने को लेकर विवाद शुरू हुआ था जिसमें आरोपियों ने लाठी डंडे के साथ ही चाकू और पंच से जानलेवा हमला किया था।

वायु में पीएम 10 एवं 2.5 की अधिकता स्वास्थ्य के लिये हानिकारक: राकेश

फील्ड वाटर टेस्टिंग किट की मदद से पानी की केमिकल जांच सम्भव

हानिकारक

वायु और जल की गुणवत्ता जांचने के विभिन्न तरीकों पर हुआ व्याख्यान

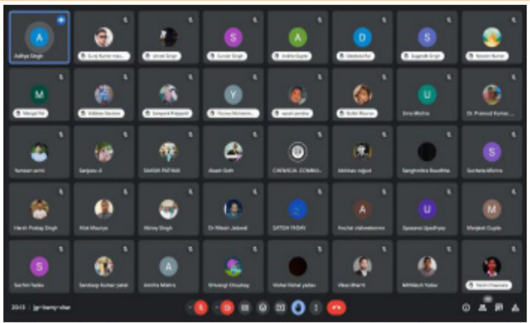

तेजस टूडे ब्यूरो, विरेन्द्र यादव

सरायख्वाजा, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में कुलपति प्रो. वंदना सिंह की प्रेरणा से एम.एससी. के विद्यार्थियों द्वारा संचालित केमिकल कम्युनिकेशन सोसायटी द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस पर वॉटर एवं एयर टेस्टिंग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आईटीएस लेबोरेट्रीज नोएडा के निदेशक राजेश सिंह बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहे जिन्होंने बताया कि वायु के गुणवत्ता को कुल बारह मापदंडों पर मापा जाता है तथा वायु में पीएम 10 की मात्रा में अधिक बढ़ोत्तरी होने से मनुष्य की औसत आयु में 5 से 6 वर्षों की गिरावट आ रही है तथा पीएम 10 की वायुमंडल में अधिकता मनुष्य मे कैंसर होने की मुख्य वजहों में से एक हैं।

विद्यार्थियों के साथ वॉटर टेस्टिंग के विभिन्न तरीकों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि पेयजल को मुख्यतः रंग, गंध और स्वाद के आधार पर विश्लेषित किया जाता है। फील्ड टेस्ट किट्स पानी की क्वालिटी जांचने के लिए एक तरह का किट है, इस किट्स के जरिए पानी में मौजूद आर्सेनिक, हानिकारक बैक्टीरिया, रासायनिक अशुद्धियां, एलिमेंट्स, पार्टिकल्स आदि का पता लगाया जा सकता है, फील्ड टेस्ट किट्स (ऋळड) की मदद से पानी की जांच आसानी से किया जा सकता है। आरओ वॉटर के अधिकाधिक उपभोग के दुष्परिणामों पर चर्चा करते हुए कहा कि बाजार में आज कल मिलने वाले 99 प्रतिशत आरओ पेयजल अम्लीय प्रकृति के हैं और उसमे खनिज तत्वों का स्थान कार्बन डाई आक्साइड ने ले रखा है। अम्लीय आरओ जल का लंबे समय तक सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार ने विश्लेषणात्मक रसायन के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। संगोष्ठी का संचालन केमिकल कम्युनिकेशन सोसाइटी के सचिव व एमएससी के छात्र हर्ष प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से किया। धन्यवाद ज्ञापन एमएससी की छात्रा सुचिता मिश्रा ने किया। इस अवसर पर रसायन विभाग के डॉ. अजीत सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. दिनेश वर्मा, छात्र मंजीत गुप्ता, आदित्य सिंह, सुशील मिश्रा, आकाश सेठ, अमृता मिश्रा, मोहित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

मतदाताओं को जागरूक करने को लेकर चला जागरूकता अभियान

अभियान

चुनाव का पर्व
DESH KA GARV
25 मई 2024

तेजस टूडे ब्यूरो, देवी प्रसाद शर्मा

आजमगढ़। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले चुनाव में 50 प्रतिशत से कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से मतदाताओं को जागरुक किये जाने हेतु मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हुए जागरुकता सम्बन्धी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है तथा मतदान 25 मई को अपने मत के प्रयोग करने हेतु आमजन को जागरुक किया जा रहा है तथा लोकतंत्र में उनकी सहभागिता के महत्व के बारे बताया जा रहा है। इसी क्रम में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत लोक सभा 68 लालगंज क्षेत्र के अन्तर्गत पल्हना मेला में स्वास्थ्य विभाग, नायब तहसीलदार, पुलिस विभाग व बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता का आयोजन करते हुए 25 मई के दिन अपने मत का प्रयोग करने हेतु अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया गया। विधान सभा क्षेत्र 344 गोपालपुर में बूथ संख्या 103, 104, 105 एवं 106 पर मतदाता जागरूकता रैली निकालकर अधिक से अधिक लोगों को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। जनता इण्टर कालेज ठेकमा बिजौली, आजमगढ़ सहित अन्य विद्यालयों से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी।

रैली के माध्यम से छात्र/छात्राओं द्वारा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों, मुख्य बाजारों, चौराहों एवं अन्य क्षेत्रों में जाकर मतदाताओं को 25 मई के दिन मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 के बारे में विस्तार से बताया गया। इसी क्रम में जनपद के समस्त विधानसभा क्षेत्रों के अन्तर्गत संबंधित अधिकारियों द्वारा चुनावी चौपाल, जागरूकता रैली के माध्यम से लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के अन्तर्गत निर्वाचन 25 मई को शत प्रतिशत मतदान करने हेतु जागरूक किया जा रहा है।

शिक्षामित्र की मौत से शिक्षकों में दौड़ी शोक की लहर

शोक

तेजस टूडे ब्यूरो, डा. प्रदीप दूबे

सुइथाकला, जौनपुर। स्थानीय विकास खण्ड स्थित कम्पोजिट विद्यालय संसारपट्टी में शिक्षामित्र पद पर तैनात असैथा बलजोर पट्टी निवासिनी अंजना सिंह का सोमवार को असामयिक निधन हो गया। घटना की जानकारी होते शिक्षक समुदाय में शोक की लहर दौड़ उठी। जानकारी के अनुसार असैथा बलजोर पट्टी निवासिनी शिक्षामित्र अंजना सिंह (42) पत्नी अरूण सिंह इन दिनों चेस्ट कैंसर से पीड़ित थी। पति घर पर ही रहते हैं। दो बेटे गुजरात के अहमदाबाद शहर में प्राइवेट नौकरी करते हैं। दोनों बेटे अपनी मां के उपचार हेतु अपने साथ अहमदाबाद ले गये जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और शिक्षक समाज में शोक की लहर दौड़ उठी। खण्ड शिक्षा अधिकारी राजेश वैश्य ने जहां गहरा दुःख व्यक्त करते शोक संवेदना प्रकट की। वहीं प्रभारी प्रधानाध्यापिका उषा सिंह, एआरपी पंकज सिंह, त्रिवेणी प्रसाद सिंह, संजय सिंह, सतीश सिंह, डॉ. रणंजय सिंह, दुष्यंत मिश्र, सुधाकर सिंह, देवेन्द्रसिंह, एनबी सिंह, उमेश चन्द्र यादव, अरविन्द यादव समेत अन्य शिक्षकों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया।

आज के छात्र कल के लिये राष्ट्र की धरोहर हैं: प्रबन्धक

वार्षिकोत्सव

तेजस टूडे ब्यूरो, देवी प्रसाद शर्मा

आजमगढ़। केपीएस पब्लिक स्कूल पाती धनेज में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ। छात्रों द्वारा जल संरक्षण समाज में देश में बढ़ रही कुरीतियों पर एकांकी प्रस्तुत की गई जिसके मुख्य अतिथि के रूप में सीएमओ डा. आईएन तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में प्रतिभा का विकास होता है। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र अपना व अपने राष्ट्र का नाम रोशन करते हैं। विशिष्ट अतिथि विद्यालय के संरक्षक प्रवक्ता दिनेश तिवारी ने कहा कि छात्रों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की प्रस्तुति की गई जो काफी सराहनीय है।

अध्यक्षता कर रहे कैप्टन मनीष तिवारी ने कहा कि विद्यालय छात्रों में संस्कार के साथ नैतिक शिक्षा अभिनय की कला का केंद्र होता है। प्रबंधक जिलाजीत तिवारी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि छात्र हमारे देश की धरोहर है। पठन-पाठन के साथ संस्कार की शिक्षा पर जोर देने की जरूरत है। विद्यालय के प्रधानाचार्य शिशिर चौबे ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर दशरथ तिवारी, पवन चौबे, लाल बहादुर चौरसिया, एमके, आदित्य दुबे, भानु राकेश, इक्षिता, दुर्गा यादव, पूजा पटेल, पिंकी, अनीता यादव, अर्पिता सिंह, राम दयाल वर्मा, रामपूज यादव, तारिणी दुबे, अमित पांडेय, जयराम यादव, वंदना वर्मा, रविता यादव, फौजदार यादव, रोशन सोनकर, संतोष कुमार, रविंद्र, विजय बहादुर पाठक, सन्तोष, किट्टू सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

फॉगिंग एवं ब्लीचिंग पाउडर का हुआ छिड़काव, सेनिटाइजेशन एवं नालों की करायी जा रही सफाई

छिड़काव

तेजस टूडे ब्यूरो, देवी प्रसाद शर्मा

आजमगढ़। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान (1 से 30 अप्रैल) एवं दस्तक अभियान के अन्तर्गत संचारी रोगों से बचाव हेतु जनपद में विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई, फॉगिंग, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, सेनिटाइजेशन एवं नालों की साफ-सफाई करायी जा रही है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अन्तर्गत संचारी रोगों से बचाव हेतु आमजन को जागरूक करते हुए बताया जा रहा है कि जल जनित रोगों से बचाव हेतु कहीं भी पानी एकत्रित नही होने देना चाहिए, रूके हुए पानी के कारण जल जनित बिमारी होने का खतरा बना रहता है, घर के कूलर में नियमित पानी को बदलते रहना चाहिए, घर के आस-पास यदि कहीं पानी रूका है तो उसे साफ करना चाहिए। रूके हुए पानी में जला हुआ मोबिल डालना चाहिए। कहीं भी कूड़ा एकत्रित नहीं होने देना चाहिए।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के तहत संचारी रोगों से बचाव के सम्बन्ध में ग्राम पंचायतों में लोगों को जागरूक करते हुए पम्पलेट बांटे गये एवं संचारी रोगों के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु आशा व एएनएम द्वारा पोस्टर बांटे गये एवं चस्पा किया गया।

पशुपालन विभाग द्वारा अभियान चलाकर ग्रा0 कैथीशंकरपुर, लालगंज एवं अन्य ग्रामों में संचारी रोगों से बचाव हेतु सुकर पशुपालकों का संवेदीकरण किया गया तथा आबादी से दूर सुकर पालने का सुझाव दिया गया एवं गन्दगी वाले स्थानों एवं पशुओं के आस पास सेनिटाइजेशन कराया गया। पशुओं के आस-पास साफ-सफाई रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही जनपद के विभिन्न ग्राम/ब्लाकों एवं नगर पालिका/नगर पंचायत क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव एवं सेनिटाइजेशन भी कराया जा रहा है।

12वीं उत्तीर्ण बच्चों को कृषि शिक्षा के क्षेत्र में करियर बनाने का सुनहरा अवसर

सम्मान

तेजस टूडे ब्यूरो, देवी प्रसाद शर्मा

आजमगढ़। इण्टर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों को आगे की शिक्षा किस क्षेत्र में प्राप्त करें इसकी चिंता लगी होगी होनी भी चाहिए, क्योंकि आप सभी ही ह्यनए उत्तर प्रदेशह्य का स्वर्णिम भविष्य हैं। 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 12वीं के बाद आपको अपना करियर बहुत सोच समझ कर चुनना होता है। करियर के साथ शैक्षणिक संस्थायें जहॉ आप अगली कक्षाओं में प्रवेश लेंगे, यह भी बहुत महत्वपूर्ण है। अपनी पसन्द व क्षमता के अनुरूप पठन-पाठन का विषय व उस विषय की पढाई हेतु शैक्षणिक संस्थान (विश्वविद्यालय या महाविद्यालय) का विवेकपूर्ण चयन आपके जीवन को सही दिशा प्रदान करता है। आपमें से कुछ विद्यार्थी मेडिकल का क्षेत्र चुनेंगे, कुछ इंजीनियरिंग को चुनेंगे कुछ सीधे-2 विज्ञान या सोशल साइंस को ग्रेजुऐशन में चुनेंगे, इसी कड़ी में कृषि विज्ञान भी एक विषय है जिसे चुनकर विद्यार्थी एक अच्छा अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

मानव जीवन के प्रारंभ से ही कृषि का क्षेत्र महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि कृषि उत्पादन से ही हमें भोजन की प्राप्ति होती है। यदि बात करें कृषि में प्रगति की तो पिछले 60-70 वर्षों में कृषि के क्षेत्र में आशातीत प्रगति हुई है। इसके फलस्वरूप बढ़ा कृषि उत्पादन न सिर्फ देश की 140 करोड़ जनसंख्या का पेट भरने के लिए पर्याप्त है बल्कि अन्य देशों को निर्यात भी कर रहे है। आज हमारा देश बहुत से कृषि उत्पादों के उत्पादन में विश्व स्तर पर प्रथम स्थान रखता है। अब आवश्यकता है कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ ही उत्पादों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाये जिससे मानव स्वास्थ्य बेहतर हो व साथ ही पर्यावरण भी सुरक्षित हो सके। आज के परिवेश में दूसरी सबसे अधिक आवश्यकता है कृषि में उद्यम स्थापना की जिससे ग्रामीण युवा बेरोजगारों को अपने गाँव में ही आय और रोजगार के साधन मुहैया हो सके।

विगत दशकों में कृषि का क्षेत्र विभिन्न कारणों से उपेक्षित रहा है तथा कृषि कार्य में लगे लोगों को यथोचित सम्मान नहीं मिला परन्तु पिछले दशक से कृषि में उद्यमिता स्थापित करने का प्रचलन बढ़ा है। इस क्षेत्र में न केवल कृषि के ग्रामीण परिवेश के छात्र, बल्कि शहरी छात्र व बड़ी निजी कंपनियां और स्टार्ट अप भी आगे आ रहे हैं। देश के विकास में कृषि शिक्षा और

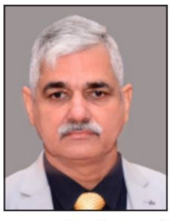

अनुसन्धान में बढ़ती संभावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। कृषि के क्षेत्र में छात्रों की अच्छी शिक्षा, अनुसन्धान व दक्षता अभिवृद्धि हेतु राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 5 कृषि विश्वविद्यालय संचालित हैं जिनमें प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलसचिव प्रो० रामजी सिंह ने बताया कि राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में छात्रों का प्रवेश प्रदेश स्तरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट) के माध्यम से होता है। इस वर्ष यूपीकैटेट 2024 प्रवेश परीक्षा का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा ही कराया जा रहा है जिसमें आवेदन 17 मार्च से ही प्राप्त किये जा रहे हैं तथा आवेदन की अंतिम तिथि 7 मई है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में सूचना के अभाव में ज्यादातर छात्र इस परीक्षा को देने से वंचित रह जाते हैं जिससे उनके हाथ से एक सुनहरा अवसर छूट जाता है। विशेषकर यदि पूर्वी उत्तर प्रदेश के गॉव व शहरी क्षेत्र की बात करें तो इस क्षेत्र में छात्रों एवं अभिभावकों में कृषि शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी है।

इंटरमीडिएट विज्ञान अथवा कृषि में उत्तीर्ण छात्र बीएससी (कृषि) अथवा अन्य समकक्ष पाठ्यक्रम जैसे बागवानी, वानिकी, कृषि अभियंत्रण, खाद्य व दुग्ध प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा विज्ञान, गृह (सामुदायिक) विज्ञान, मत्स्य विज्ञान व गन्ना प्रौद्योगिकी में प्रवेश ले सकते है। कृषि विज्ञान केंद्र कोटवा के वैज्ञानिक डॉ रुद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में वर्तमान में कुल 5 राज्य कृषि विश्वविद्यालय संचालित है। इन विश्वविद्यालयों में शिक्षा और अनुसन्धान का स्तर अन्य किसी भी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों से बेहतर होता है तथा साथ ही छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की जानकारी और अच्छा शैक्षणिक माहौल भी मिलता है। यदि कृषि के क्षेत्र में नौकरी की बात करें तो आज भी कृषि के क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तुलना में अपार संभावनाएं हैं परन्तु इसके लिए शिक्षा संस्थान जहाँ से शिक्षा ली गई है बेहद मायने रखता है।

कृषि विश्वविद्यालयों में बीएससी (कृषि), एमएससी (कृषि) व पीएचडी करके प्रशासनिक पदों के साथ ही कृषि सहित अन्य सम्बंधित विभागों मे अधिकारी व कर्मचारी के रूप में चयनित हो सकते हैं। साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों में वैज्ञानिक, महाविद्यालय व विश्वविद्यालयों मे सहायक प्राध्यापक आदि पदों पर भी चयनित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त बैंकों व अर्ध सरकारी कंपनी तथा निजी कंपनियों में भी कृषि के छात्रों को अच्छी नौकरी मिलती है।

डॉ सर्वेश कुमार सहायक प्राध्यापक श्री दुर्गा जी स्नातकोत्तर महाविद्यालय चण्डेश्वर ने बताया कि पूर्वांचल में अभी भी लोगों की जागरूकता कृषि शिक्षा में कम है जबकि पूर्व के दशकों में यह क्षेत्र अत्यंत उर्वर रहा है। हाल ही में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से वरिष्ठ प्राविधिक सहायक के पद पर चयनित डॉ मुलायम यादव ने बताया कि ग्रामीण छात्र एवं छात्रों को कृषि के छात्र में एक अच्छा अवसर है। वह केंद्र सरकार, राज्य सरकार, बैंक, अर्ध सरकारी, निजी संस्थान आदि में तो नौकरी पाते ही हैं साथ ही स्टार्ट अप स्थापित कर सकते हैं। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या में अध्ययनरत शोध छात्रा रुपाली सिंह ने बताया कि ग्रामीण छात्राओं के लिए भी कृषि विश्वविद्यालयों से शिक्षा ग्रहण करना एक बेहतर विकल्प है। यहाँ से शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करके ग्रामीण व शहरी युवा भी कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उद्यम स्थापित करके न केवल अपना भविष्य उज्जवल कर सकते हैं, बल्कि अन्य लोगों को आय एवं रोजगार के साधन मुहैया करा सकते है।